वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

Syllabus

हिन्दी साहित्य का इतिहास

| ie di villera an Arriera | |
|--------------------------|--|
| इकाई सं. | इकाई का नाम |
| खण्ड–1 | हिन्दी साहित्य के इतिहास की भूमिका और आदित्यकाल |
| इकाई- 1 | कालविभाजन, नामकरण तथा काल निर्धारण |
| इकाई- 2 | आदिकालीन काव्य की पृष्ठभूमि |
| इकाई- 3 | नाथ, सिद्ध जैन, रासो व लौकिक साहित्य |
| खण्ड–2 | भक्तिकालीन काव्य |
| इकाई- 4 | भक्तिकालीन काव्य की पृष्ठभ्मि |
| इकाई- 5 | निर्गुण भक्तिकाल |
| इकाई- 6 | 5 |
| खण्ड–3 | रीतिकालीन काव्य |
| इकाई- 7 | रीतिकालीन काव्य की पृष्ठभूमि |
| इकाई- 8 | रीतिकालीन कविता का स्वरूप–रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य |
| खण्ड–4 | आधुनिक काव्य–1 |
| इकाई- 9 | आधुनिक कालीन साहित्य की पृष्ठभूमि |
| इकाई- 10 | भारतेन्दु युग |
| इकाई- 11 | द्विवेदी युग |
| इकाई- 12 | छायावाद |
| खण्ड–5 | आधुनिक काव्य-2 |
| इकाई- 13 | प्रगतिवाद व प्रयोगवाद |
| इकाई- 14 | नयी कविता व समकालीन कविता |
| खण्ड–6 | आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य |
| इकाई-15 | कथा साहित्य |
| इकाई-16 | हिन्दी निबन्ध |
| इकाई-17 | हिन्दी आलोचना |
| इकाई-18 | नाट्य व एकांकी साहित्य |
| इकाई-19 | अन्य गद्य विधाएँ |
| | |